>

Title: Regarding assurance given by the Government to include the Bhojpuri and Rajasthani language in the Eigth Scedule.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल आपके सामने रखना चाहता हूँ। सदन में माननीय सदस्यगण ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और प्रश्नों के माध्यम से महत्वपूर्ण सवालों को उठाते रहते हैं। वर्ष 2007 में लोकसभा के सत्र के दौरान लोकसभा में प्रश्नों और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर 1,086 आश्वासन सरकार की ओर से दिए गए। उनमें से मात्र 149, यानी केवल 14 प्रतिशत आश्वासनों पर अब तक अमल हुआ है। इससे यह लगता है कि यह सरकार आश्वासनों की सरकार हो गयी है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अपना मुद्दा उठाइए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, मैं मुद्दे पर ही आ रहा हूँ। असली मुद्दा इसी में छिपा हुआ है।

महोदय, 18 दिसंबर, 2006 को एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से हमने भोजपुरी भाषा को संविधान की अष्टम सूची में शामिल करने की मांग की थी, जिसके उत्तर में माननीय गृहमंत्री जी ने यह आश्वासन दिया था कि अब इसमें किन्तु और परन्तु के लिए कोई गुंजाइश नहीं रह गयी है। भोजपुरी और राजस्थानी भाषा को संविधान की अष्टम सूची में शामिल करने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गयी है, आगामी सत्र में ही यह बिल पारित कराया जाएगा। यह उनका आश्वासन है। जब से माननीय गृहमंत्री जी ने यह आश्वासन दिया है, अब तक संसद के पांच सत्र गुजर चुके हैं।

MR. SPEAKER: I would request the Government to take note of this and make a statement on this. I have given the instruction.

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, 14 मार्च, 2008 को शून्यकाल के दौरान जब मैंने इस सवाल को उठाया था, तब आपने कहा था कि मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि भोजपुरी और राजस्थानी भाषाओं को संविधान की अष्टम सूची में शामिल करने के संबंध में स्थिति स्पष्ट करे। यह बात आपने कही थी। फिर 19 मार्च, 2008 को जब मैंने यह मामला सदन में उठाया तो श्री प्रियरंजन दासमुंशी, जो उस समय संसदीय कार्यमंत्री लेकिन अब उनको उस पद से हटा दिया गया है, ने उस हैसियत से हमें आश्वासन दिया था कि भोजपुरी भाषा की प्राथमिकता है और रहेगी।

अध्यक्ष महोदय : शायद इसी के लिए उनको हटाया गया होगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : उन्होंने कहा था कि इस भाषा को शीघ्र ही संविधान की अष्टम सूची में शामिल किया जाएगा। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि सरकार ने आश्वासन दिए, आपने भी सरकार से अनुरोध किया, इसे आप चाहे अनुरोध मानें या निर्देश या आदेश मानें। आप सदन में अनुशासन लागू कराते हैं, लेकिन क्या यह सिर्फ मेरे जैसे लोगों के लिए है। सरकार के लिए आप अपनी ताकत को क्यों छिपाए हुए हैं?

अध्यक्ष महोदय : मैंने अभी बोला है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : आप अगर हमें इजाजत दें तो हम कल प्रिविलेज मोशन मूव करते हैं, उस पर सुनवाई कीजिए और गलत आश्वासन देने के लिए गृहमंत्री जी को जेल में बंद कीजिए।

अध्यक्ष महोदय : इससे और देरी होगी।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपसे इसकी मांग करते हैं। भोजपुरी आज नहीं तो कल संविधान में शामिल होगी ही, लेकिन भोजपुरी भाषा बोलने वाले 20 करोड़ लोगों के सम्मान के साथ जो अन्याय किया जा रहा है, उसके बारे में मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इसे सदन और आसन को गंभीरता से लेना चाहिए। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि इससे संबंधित बिल को सदन के इसी सत्र में लाया जाए।...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है। इस पर सदन को ध्यान देना चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Not only Shri Devendra Prasadji, I believe, the entire House also associates with him.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सरकार को इसके बारे में बयान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, मैंने इसके लिए बोल दिया है। I have already observed.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सदन में दिए गए आश्वासनों का पालन नहीं किए जाने पर सरकार को सदन में बयान देना चाहिए।

MR. SPEAKER: I would request the Government to take note of it seriously and make a statement on this. एवरीबॉडी काइण्डली अपने नाम भेज दीजिए।

Now, Prof. Vijay Kumar Malhotra. He is also raising an important matter.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, मेरी बात का क्या हुआ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने इंस्ट्रक्शन दे दिया है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, आप इसके लिए सरकार को निर्देश दीजिए कि संसद के चालू सत्र में ही सरकार इसके लिए एक विधेयक लाए।

अध्यक्ष महोदय : आपने मेरी बात को सुना नहीं है।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, इसके लिए सरकार को एक निश्चित समय सीमा दी जानी चाहिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : उनके आश्वासन के आलोक में सरकार भोजपुरी और राजस्थानी भाषा को संविधान की अष्टम सूची में शामिल करने के लिए विधेयक लाए।[R10]

MR. SPEAKER : I have requested the Government to let the House know what is the position. That would include everything.

...(*Interruptions*)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली): अध्यक्ष जी, हम इसमें एसोसिएट करना चाहते हैं।

MR. SPEAKER : Sorry, this system cannot be implemented.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : I have now requested Prof. Malhotra to speak.

श्री राम कृपाल यादव (पटना): माननीय सदस्य ने जो मामला उठाया है, उस पर आपका निर्देश हुआ था, लेकिन सरकार की ओर से कोई वक्तव्य नहीं आ रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आपने जो कहा है, वह रिकार्ड नहीं हो रहा है।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : आप भी भोजपुरी के पक्ष में हैं।

अध्यक्ष महोदय: मैं भोजपुरी के पक्ष में हूं, राजस्थानी के पक्ष में हूं और जितनी भी भाषाएं बोली जाती हैं, उन सबके पक्ष में हूं। मैं मैथिली के भी पक्ष में हूं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मैथिली भाषा तो संविधान की अष्टम् सूची में शामिल हो गई है। भोजपुरी और राजस्थानी बाकी हैं।

अध्यक्ष महोदय: हम सब भोजपुरी चाहते हैं, राजस्थानी को भी चाहते हैं। राम कृपाल जी भी चाहते हैं और हम भी चाहते हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Let us do some work. यह भी महत्वपूर्ण विषय है।

...(*Interruptions*)

12.41 hrs.

MR. SPEAKER : I am allowing this matter although the Government directly has nothing to do, but it relates to the country's image and prestige. Therefore, I allowed.